



RAJRATAN
OUTPERFORM

INDIA | THAILAND

www.rajratan.co.in



RGWL/25-26/

23rd April, 2025

To BSE Limited Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street Mumbai 400001 Scrip Code – 517522	To National Stock Exchange of India Limited ‘Exchange Plaza’, C-1, Block G, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai – 400 051 Symbol - RAJRATAN
--	---

Dear Sir

Subject – Newspaper publication of Financial Results

Please find enclosed herewith copies of newspaper advertisement of Standalone and Consolidated Financial Results for the quarter and financial year ended on 31st March, 2025, published on 23rd April, 2025 in “Economic Times” “Nai Dunia” and “Choutha Sansaar”.

This is for your information and records please.

For **Rajratan Global Wire Limited**

Shubham Jain
Company Secretary & Compliance

RAJRATAN GLOBAL WIRE LIMITED

Regd. Office: Rajratan House, 11/2, Meera Path, Dhenu Market, Indore-452003, Madhya Pradesh, India. Tel.: +91-731-2546401
Factory: 200-B, Sector-1, Pithampur-454775, Dist. Dhar, Madhya Pradesh, India. Tel.: +91-7292-253429, 253375

Email : investor.cell@rajratan.co.in CIN No. L27106MP1988PLC004778

एक नजर में

अटल पेंशन योजना से 1.17 करोड़ अंशधारक जुड़े

नई दिल्ली: सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना अटल पेंशन योजना से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 1.17 करोड़ अंशधारक जुड़े। इसके साथ इस योजना से जुड़े अंशधारकों की कुल संख्या 7.60 लाख करोड़ को पार कर गई है। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण की मंगलवार को जारी विज्ञापित के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्ष से हर साल एक करोड़ से अधिक अंशधारक अटल पेंशन योजना (एपीआई) से जुड़े हैं। (एजेंसी)

वैक डिजिटल सुविधाओं वाली जमा पर 2.5% राशि रखें

मुंबई: आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अगले साल एक अप्रैल से अक्टूबर और मोबाइल बैंकिंग की सुविधाओं से युक्त खुदरा और छोटे व्यावसायिक ग्राहकों की जमा पर बफर के रूप में 2.5 प्रतिशत अतिरिक्त नकदी अलग रखें ताकि दबाव के समय किसी भी संभावित जोखिम से बचा जा सके। आरबीआई ने पिछले साल जुलाई में पांच प्रतिशत अतिरिक्त 'रन-आफ फेक्टर' का प्रस्ताव किया था। इसका मतलब जमा राशि के उस प्रतिशत से है, जिसे बैंक दबाव के समय में वापस लिए जाने की अपेक्षा करता है। (एजेंसी)

पिलपकाट सिंगापुर से भारत लाएगी मुख्यालय

नई दिल्ली: पिलपकाट अब अपना मुख्यालय सिंगापुर से वापस भारत ला रही है। कंपनी अगले साल आइपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सचिन बंसल और बिनी बंसल ने मिलकर एक आनलाइन बुक स्टोर के तौर पर वर्ष 2007 में पिलपकाट की शुरुआत की थी। शुरू में इसका मुख्यालय बंगलुरु में था। साल 2011 में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, टेक्स लाभों का फायदा लेने जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के कारण कंपनी ने अपना मुख्यालय सिंगापुर स्थानांतरित कर दिया था। (एजेंसी)

'डॉट बैंक डॉट इन' डोमेन अपनाएं बैंक: आरबीआई

मुंबई: आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया कि वे अपने मौजूदा डोमेन को 'डॉट बैंक डॉट इन' डोमेन पर स्थानांतरित करना शुरू करें और इस साल 31 अक्टूबर तक यह प्रक्रिया पूरी करें। इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा खतरों और 'फिशिंग' जैसी दुर्भावपूर्ण गतिविधियों को कम करना और सुरक्षित वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करना है, जिससे डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में विश्वास बढ़े। (एजेंसी)

मावा भाव



इंदौर : 360 रुपये किलो।

रतलाम : सफेद मावा व पीला मावा 300 रुपये किलो।

उज्जैन : 280 रुपये किलो।

जावरा : 280 रुपये किलो।

नईदुनिया क्लासीफाइट
कम लागत, ज्यादा काम

Pick of the Day

फर्नीचर शादी में देना हो या घर सजाना हो

6x6 डबलबेड प्लाई में 2 डोर अलमारी-Wood Base में @ 11999/- @ 5999/-

6 सीटर कार्नर सोफा सेट 3 डोर अलमारी-Wood Base में @ 9999/- @ 8499/-

डायनिंगसेट, दिवान, सेन्टर टेबल व अन्य वेरायटी, घर, किचन, आफिस, दुकान का फिक्स फर्नीचर तैयार मिलते हैं और आर्डर से भी बनाया जाता है। सभी प्रकार की फाइनेंस सुविधा उपलब्ध

Sunday Open Bajaj Finserv M.K.FURNITURE

134, मैकेनिक नगर, भंवरकुआ एम्पल हॉस्पिटल के पास, पावर हाउस के सामने, इंदौर 9754486187

गिग वर्कर्स को मिलेगी ईएसआइ की स्वास्थ्य सुविधा

वर्कर्स को नहीं करना होगा भुगतान, एग्रीगेटर्स के पेंशन अंशदान का एक हिस्सा ईएसआइ फंड में जाएगा

संजय मिश्र • नईदुनिया

सामाजिक सुरक्षा के लिए गिग वर्कर्स को पेंशन के साथ ही ईएसआइ की स्वास्थ्य सुविधाएं भी मिलेंगी। इस स्वास्थ्य सेवा के लिए गिग वर्कर्स को अपने वेतन से कोई योगदान नहीं देना पड़ेगा बल्कि एग्रीगेटर्स कंपनियों द्वारा पेंशन अंशदान के लिए दी जाने वाली राशि का ही एक हिस्सा ईएसआइ फंड में जाएगा। गिग वर्कर्स पेंशन फंड के साथ किसी तरह का वित्तीय जोखिम न हो यह सुनिश्चित करने के लिए श्रम मंत्रालय ने इसके संचालन की पूरी जिम्मेदारी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को सौंपने का इरादा किया है।

गिग वर्कर्स को स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए पेंशन फंड की राशि का ही एक हिस्सा ईएसआइ फंड में देने के प्रस्ताव को अंतिम

● श्रम मंत्रालय ने किया तय, ईपीएफओ की ओर से ही किया जाएगा पेंशन फंड का संचालन

● नौकरी छूटने की स्थिति में तीन माह तक बीमा सुरक्षा, वेतन जैसी सुविधाएं ईएसआइ के तहत स्वाभाविक रूप से गिग वर्कर्स को मिलने लगेंगी।

● महिला गिग वर्कर्स को मातृत्व लाभ तथा अवकाश का फायदा मिलेगा।

रूप दिए जाने की पुष्टि करते हुए श्रम मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि इसका वित्तीय भार कामगारों पर नहीं डाला जाएगा। एग्रीगेटर्स कंपनियों पेंशन फंड के लिए हर बिलिंग ट्रांजेक्शन पर जो राशि पेंशन फंड अंशदान के लिए देंगी, उसका ही एक छोटा हिस्सा

80 लाख थी गिग वर्कर्स की संख्या 2020-21 में

2.5 करोड़ हो जाएगी गिग वर्कर्स की संख्या 2029-30 तक



कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा निगम यानि ईएसआइ को चला जाएगा। एग्रीगेटर्स कंपनियों गिग वर्कर्स के पेंशन के लिए प्रत्येक बिलिंग ट्रांजेक्शन का दो प्रतिशत पेंशन अंशदान में देने की श्रम मंत्रालय से हमी भर चुकी है। नहीं पड़ेगा किसी तरह का वित्तीय

बोझ : अल्प वेतनभोगी होने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा के कवच को मजबूत करने के लिए ऐसा किया गया, क्योंकि इससे गिग वर्कर्स को किसी तरह की बीमारी होने पर उन्हें संपूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी और उन पर किसी तरह का वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

नौकरी छूट जाने की स्थिति में तीन महीने तक वेतन, बीमा सुरक्षा जैसी कुछ सुविधाएं ईएसआइ के तहत स्वाभाविक रूप से गिग वर्कर्स को इसके दायरे में आने से मिल जाएगी। जबकि महिला गिग वर्कर्स को मातृत्व लाभ तथा अवकाश का फायदा मिलेगा।

निर्यात बढ़ोतरी में अहम रही कृषि और खाद्य पदार्थों की भूमिका

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: कोरोना काल के बाद से कृषि व खाद्य पदार्थों के निर्यात में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। गत 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत वस्तुओं के कुल निर्यात में मासुली बढ़ोतरी दर्ज की जा सकी। इस अवधि में वस्तु के कुल निर्यात में वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले सिर्फ 0.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही जबकि कृषि व खाद्य आइटम के निर्यात में 10 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया।

वस्तुओं के कुल निर्यात में 13 आइटम कृषि व अन्य खाद्य पदार्थों से जुड़े हैं और वित्त वर्ष 2024-25 में इन 13 आइटम का निर्यात 44.3 अरब डालर का रहा जबकि इससे पूर्व के वित्त वर्ष में यह निर्यात 40.6 अरब डालर का था। पिछले वित्त वर्ष में नए बाजार में पहली बार कई भारतीय फल व सब्जी का निर्यात किया गया और इससे भी निर्यात बढ़ाने में मदद मिली। इनमें अनार,



गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर दिया जा रहा ध्यान

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक निर्यात में बढ़ोतरी के लिए भारतीय कृषि पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और इस काम के लिए कई लेब स्थापित किए गए हैं। कई बार निर्यात की एक खेप के माल के खराब होने से पूरे माल को खराब मान लिया जाता है। इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए गुणवत्ता पर फोकस किया जा रहा है।

कटहल, केला, चीकू जैसे आइटम शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश से खाड़ी के देशों में सब्जी के निर्यात में भी बढ़ोतरी हो रही है। यूरोप व अमेरिका में आर्गेनिक उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी से भी निर्यात को बल मिला है। काफी, चाय व तंबाकू के निर्यात में बढ़ोतरी हो रही

है। 2024-25 में काफी के निर्यात में 2023-24 के मुकाबले 40.37 प्रतिशत, चाय में 11.84 तो तंबाकू में 36.53 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। चावल के निर्यात में 19.73 प्रतिशत, मांस, डेयरी एवं पोल्ट्री उत्पाद में 12.57 प्रतिशत तो फल व सब्जी में 5.67 प्रतिशत का इजाफा रहा।

अब भारत में भी सौर पैनलों के प्रमाणीकरण-परीक्षण की सुविधा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सौर ऊर्जा के पैनलों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने की दिशा में भारत ने सोमवार को एक अहम कदम बढ़ाया। अब देश में निर्माण होने वाले सोलर पैनलों की परीक्षण और प्रमाणीकरण की सुविधा देश में उपलब्ध होगी। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) प्रल्हाद जोशी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गुडगांव में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी (नाइस) की तरफ से स्थापित पीवी माड्यूल की टेस्टिंग व कैलिब्रेशन लैब का उद्घाटन किया। अभी तक सोलर पैनल के निर्माण को लेकर इस तरह की टेस्टिंग व प्रमाणीकरण का कोई सर्वमान्य स्टैंडर्ड भारत में उपलब्ध नहीं है। भारत सरकार ने पिछले तीन-चार वर्षों से देश में सौर ऊर्जा से जुड़े सभी उपकरणों के घरेलू स्तर पर ही निर्माण करने की नीति लागू की हुई है और इसका असर भी दिख रहा है। भारत में वैसे अभी नौ हजार मेगावाट क्षमता

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने लैब का किया उद्घाटन, भारत में अभी नौ हजार मेगावाट क्षमता के सोलर माड्यूल निर्माण की ही क्षमता है लेकिन इसके वर्ष 2027 तक बढ़कर 80 हजार मेगावाट हो जाने की संभावना है। इस अवसर पर एमएनआरई मंत्री जोशी ने कहा, 'अब तेजी से सौर ऊर्जा क्षमता लगाई जाएगी।

कुछ राज्यों के साथ ही जल्द ही समझौता होने वाला है, जिससे 40 हजार मेगावाट क्षमता चालू हो सकेगी। वर्ष 2030 तक सरकार ने देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता में पांच लाख मेगावाट क्षमता की बिजली नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर से लगाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने के लिए हर साल 50 हजार मेगावाट क्षमता स्थापित करनी होगी। यह अब संभव है। वर्ष 2030 तक देश की सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता 2.92 लाख मेगावाट होगी।

भारत और अमेरिका ने समझौते के लिए संदर्भ शर्तों को अंतिम रूप दिया

नई दिल्ली, एजेंसी: भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की वार्ता के लिए खाका तैयार करते हुए संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप दे दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर ने कहा कि जारी वार्ताएं अमेरिकी वस्तुओं के लिए नए बाजार खोलकर और अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाने वाली अनुचित चलन को खत्म करके संतुलन और पारस्परिकता हासिल करने में मदद करेंगी।

भारत की रचनात्मक भागीदारी का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं दोनों देशों में श्रमिकों, किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करने की आशा करता हूं।' ग्रीर ने कहा, 'मुझे यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि यूएसटीआर और भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने पारस्परिक व्यापार पर वार्ता के लिए खाका तैयार करने के लिए संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप दे दिया है।'

आइएमएफ ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह पहले के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से कम है। मुख्य रूप से व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए वृद्धि दर अनुमान को कम किया गया है। आइएमएफ ने अपने विश्व आर्थिक परिदृश्य में कहा, 'भारत के लिए, 2025 में वृद्धि का परिदृश्य अपेक्षाकृत अधिक स्थिर है और वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रहेगी। वृद्धि को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में निजी खपत से समर्थन मिलेगा।' भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2026-27 में 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि 2024-25 में यह 6.5 प्रतिशत रहेगी। वृद्धि दर का यह अनुमान जनवरी, 2025 के अनुमान की तुलना में 0.3 प्रतिशत कम है और इसका कारण व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता है। आइएमएफ ने कहा, 2025 में वैश्विक वृद्धि 2.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले के अनुमान



2025-26 के लिए 6.2 प्रतिशत की विकास दर का अनुमान लगाया, 2025 में वैश्विक वृद्धि 2.8 प्रतिशत रहने का अनुमान

से 0.5 प्रतिशत कम है। 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में विकसित अर्थव्यवस्थाओं के बारे में कहा गया है कि वृद्धि दर 2025 में घटकर 1.4 प्रतिशत और 2026 में 1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वृद्धि का यह अनुमान 2025 के लिए जनवरी में जताए गए अनुमान की तुलना में 0.5 प्रतिशत कम है। यह 2024 में 1.8 प्रतिशत रही थी। चीन के लिए, 2025 की जीडीपी वृद्धि को घटकर चार प्रतिशत कर दिया गया है जबकि जनवरी में इसे 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

भारत में अवसर तलाशें वैश्विक आइटी कंपनियां

सेन फ्रांसिस्को, एजेंसी : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) उद्योग क्षेत्र के कई दिग्गजों से मुलाकात की और उन्हें तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसर तलाशने के लिए भारत में आमंत्रित किया। गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीओओ) थामस कुरियन और उनकी टीम के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान, सीतारमण ने उन्हें क्षेत्रीय सहयोग के लिए भारत में स्थानीय संबंधों की तलाश करने और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत और वैश्विक बाजार के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने हाल के वर्षों में डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे के परिवर्तनकारी विकास पर चर्चा की, जिसने देश को डिजिटल स्वीकार्यता में वैश्विक अगुआ के रूप में स्थापित किया। कुरियन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) मिशन और भारत द्वारा अपनाई जा रही प्रगतियों की सराहना की। उन्होंने भूमि और समुद्री अवसर-रचना के



अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गूगल क्लाउड के सीओओ थामस कुरियन के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

माध्यम से भारत को वैश्विक नेटवर्क से जोड़ने की जरूरत पर भी जोर दिया। टूरिंग के सीओओ जोनाथन सिद्धार्थ के साथ एक अन्य बैठक के दौरान, वित्त मंत्री ने एआइ के लिए भारत की नीतिगत रूपरेखा के बारे में बताया और उन्हें उनकी कंपनी को सहयोग और उपयोगी सहभागिता के अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा कि सिद्धार्थ ने

वैश्विक अनिश्चितता का भारत पर नहीं पड़ेगा ज्यादा असर

मुंबई, एजेंसी : आरबीआई ने मंगलवार को जारी अपने अप्रैल बुलेटिन में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितता के प्रति अपेक्षाकृत कम संवेदनशील है। केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा कि संतुलित नीति देश को मौजूदा अस्थिरता को अवसर में बदलने में मदद कर सकती है।

आरबीआई ने अर्थव्यवस्था की स्थिति शीर्षक वाले लेख में कहा, 'वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में गिरावट भारत की आर्थिक वृद्धि को बाहरी मांग से प्रभावित कर सकती है, लेकिन घरेलू विकास इंजन खासकर खपत और निवेश पर बाहरी प्रतिकूलताओं का असर कम होगा।' मजबूत मैक्रो-फंडामेंटल्स ने वैश्विक व्यापार तनावों के बावजूद अर्थव्यवस्था को लचीला बने रहने में मदद की है साथ ही कहा कि सामान्य से अधिक मानसून पूर्वानुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। खाद्य कीमतों में नरमी के चलते भारत की खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में पांच साल के निचले स्तर 3.34% पर आ गई। इससे अमेरिका-चीन ट्रेड वार के वैश्विक विकास को प्रभावित करने की आशंकाओं के



आरबीआई ने कहा-संतुलित नीति देश को मौजूदा अस्थिरता को अवसर में बदलने में मदद प्रदान कर सकती है।

बीच केंद्रीय बैंक द्वारा नीतिगत दरों में और कटौती की गुंजाइश बनी है अस्थिर वैश्विक वित्तीय स्थितियों उभरते बाजारों को जोखिम में डाल सकती हैं और वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति के एक ओर दौरे को बढ़ावा दे सकती हैं। भारत विविध एफडीआई स्रोतों और लचीलेपन की तलाश करने वाले वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने के लिए तैयार है।

SBI
ए. एन. ए. बैंक

एसबीआई की अमूल्य धरोहर

भारतीय स्टेट बैंक की केवल 480 शाखाएं थीं जब 01 जुलाई 1955 को इसकी स्थापना हुई। आज, इसकी 22,812 से अधिक शाखाएं दुनिया के 29 देशों में फैली हुई हैं। आप समाह के प्रति दिन शाखा में जाएं तब भी आपको सभी शाखाओं में जाने में 62 वर्षों से अधिक का समय लगेगा।

7th SAATH DASHAK DASH KE SAATH

Continuing 233 years of Legacy

साहसिक सुधार भारत की वृद्धि गाथा के लिए महत्वपूर्ण: सीतारमण

सेन फ्रांसिस्को, एजेंसी: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि अगले दो दशकों में सतत वृद्धि के लिए भारत की खोज एक नए प्रतिमान पर टिकी है, जो साहसिक सुधारों, बड़ी हुई घरेलू क्षमताओं और उभरते वैश्विक परिदृश्य के लिए उपयुक्त रणनीतिक संस्थागत सहयोग से प्रेरित है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय कैलिफोर्निया के ह्यूबेन इंस्टीट्यूशन में उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में बजटों ने स्पष्ट बहु-क्षेत्रीय नीति एजेंडे के साथ इस बदलाव की नींव रखी है। पिछले दशक में सरकार ने संरचनात्मक सुधार किए हैं, 20,000 से अधिक अनुपालनों को तर्कसंगत बनाया है, व्यापार कानूनों को अपराधमुक्त किया है।

S. No.	PARTICULARS	CONSOLIDATED				STANDALONE			
		Quarter Ended 31.03.2025 (Audited)	Quarter Ended 31.03.2024 (Audited)	Year Ended 31.03.2025 (Audited)	Year Ended 31.03.2024 (Audited)	Quarter Ended 31.03.2025 (Audited)	Quarter Ended 31.03.2024 (Audited)	Year Ended 31.03.2025 (Audited)	Year Ended 31.03.2024 (Audited)
		Rs. In Lacs (Except Earnings per share)							
1.	Total income from operations (Net)	25198	24057	93693	89385	16104	13994	59344	55776
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	2006	2643	7736	9381	1780	2111	6265	7495
3.	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	2006	2643	7736	9381	1780	2111	6265	7495
4.	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	1520	2025	5880	7184	1303	1587	4630	5585
5.	Total Comprehensive Income	1746	1370	7654	6338	1310	1607	4628	5596
6.	Equity Share Capital	1015	1015	1015	1015	1015	1015	1015	1015
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year			54470	47832			37382	33768
8.	Basic and Diluted Earnings Per Share (of Rs. 2/- each) (for continuing and discontinued operations) - 1. Basic:	2.99	3.99	11.58	14.15	2.57	3.13	9.12	11.00
	2. Diluted:	2.99	3.99	11.58	14.15	2.57	3.13	9.12	11.00

Note: 1. The above is an extract of the detailed format of results for Quarter/Year ended on 31.03.2025 filed with the Stock exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of standalone and consolidated Quarterly/Yearly Financial Results are available on the Stock Exchange website (www.bseindia.com) and the Company's website (www.rajratan.co.in). 2. The standalone and consolidated results have been reviewed by the Audit Committee in its meeting held on 21st April, 2025 and taken on record by Board of Directors in its meeting held on 21st April, 2025. The statutory auditors have audited the financial statements and have expressed an unqualified audit opinion.

Place : Indore
Date : 21st April, 2025

By order of the Board
Sunil Chordia
Chairman & Managing Director
DIN - 00144786

नईदुनिया Medical Helpline

इंदौर में गुप्त रोगों के चिकित्सक पूरी दुनिया क्यों मानती है?

अपने स्वास्थ्य व सुखी वैवाहिक जीवन के लिए क्वालिफाइट डॉक्टर से उचित सलाह लें। एम. शाह पिछले 76 वर्षों (पुश्तैनी) से स्थापित तौर पर इंदौर में अपने रोगियों का इलाज सफलतापूर्वक कर रहे हैं। ताकत जवानी व संतान के इच्छुक पक्के इलाज के लिए मिलें। सफेद दाग व चर्म रोग का इलाज भी किया जाता है।

फर्जी, नकली डॉक्टरों से बचें

एम. शाह नवदीप डिस्पेंसरी 98260-31180, 79742-47575

श्री कृष्ण कॉम्प्लेक्स के पास, तोपखाना पोस्ट ऑफिस, 105/1, एम.जी. रोड, इंदौर 0731-2530156

एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 15 लाख करोड़ के पार



नई दिल्ली, एजेंसी: एचडीएफसी बैंक के शेयरों में मंगलवार को करीब दो प्रतिशत की तेजी आई और इससे इसका बाजार मूल्यांकन 15 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। यह उपलब्धि हासिल करने वाली यह देश की तीसरी कंपनी बन गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 17,46,961.68 करोड़ रुपये है, जबकि टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 12,00,499.53 करोड़ रुपये है। एकल आधार पर, देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के ऋणदाता ने मार्च तिमाही के लिए 17,616 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

